<u>अभी अभी का ख्याल</u>

क्यूँ मची है होड़
मौत का स्कोर बताने की
जरूरत है सेवा करके,
किसी बीमार को बचाने की
झाँक के देखो आईने में,
कुछ किया किसी को बचाने में
क्यूँ लगे रहते हो किसी,
मौत की कहानी लिखने में,
हो सके शब्द बोलो,
किसी दुखी को सांत्वना देने में,
रह जायेगी यादें साथ,
बिताओगे वक्त सेवा करने में,
करो तारीफ उनकी जो,
लगे है इंसान को बचाने में,
अगर गिनाते रहे तुम,
मौतों का हिसाब दुनिया को,
नही बचा पाओगे,
किसी सेवा करने वाले को,
उठो छोड़ो इन बातों को,
इंतजार कर रही है मानवता,
तन से, मन से, धन से,
करनी है सेवा किसी ढंग से,
है सेवा के फरिश्तों,
नतमस्तक है हम सभी तुम्हारे,
रहे यही जज्बा सेवा का,
अब ये दुनिया है तुम्हारे सहारे,

- **गोपाल कृष्ण व्यास**